powder attracts 30% and 35% excise duty respectively.

(f) Laundry soaps are generally cheaper and more widely used as compared to detergent cakes and powder and hence a lower duty of 5% is justified.

Forward and Real Trading in Stock Exchanges

85. SHRI CHIMANBHAI MEHTA:
SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY:
SHRI SUBRAMANIAN SWAMY:
SHRI G.G. SWELL:
SHRI SARADA MOHANTY:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what were the last year's total transactions in forward and real trading in stocks, shares, bonds, etc.;

(b) what is the amount collected on stamp duty;

(c) at which stage of the transactions of stocks duty is charged and at what rate;

(d) what are the advantages and disadvantages of forward trading in stock exchanges;

(e) whether forward trading is permitted in developed and developing countries;

(f) whether forward trade is criticised as speculation, if so, what are the facts; and

(g) whether FIIs are facing the problem of custodial services; if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): (a) to (g) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

आयात प्रतिस्थापन

84. **श्री ईशदत्त यादव:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार विदेशी ऋण पर निर्भरता को कम करने हेतु कारगर आयात प्रतिस्थापन सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान इन उठाए गए कदमों की उल्लेखनीय उपलब्धियां क्या रही हैं; और

(ग) कारगर आयात प्रतिस्थापन सुनिश्चित करने के उपायों से विदेशी ऋण पर निर्भरता में कितने प्रतिशत कमी हुई है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा॰ अबरार अहमद): (क) आयात प्रतिस्थापन को प्रोत्साहित करने के लिए सर्वाधिक प्रभावशाली नीति उपाय एक सुदृढ़ विनिमय दर नीति का पालन करना है। पिछले तीन वर्षों में सरकार द्वारा पालन की गई विनिमय दर नीति में, आयात नियंत्रणों की बड़ी संख्या के निरसन और आयात शुल्कों में कमी के बावजूद आयात वृद्धि में एक स्थिरता दिखाई दी है। नीति ने प्रभावशाली रूप से आयात प्रतिस्थापनों को प्रोत्साहित किया है तथा आयातों में भार वृद्धि के डर को दूर कर दिया है।

(ख) हालांकि 1992-93 में आयातों में 12.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, उनमें 1993-94 के पहले नौ महीनों में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट आंशिक रूप से तेल की कीमतों के कम होने के कारण है लेकिन अधिकांशत: विनिमय दर नीति के आयात-प्रतिस्थापन प्रभाव को प्रदर्शित करती है। पैट्रोल तेल स्नेहक (पी॰ओ॰एल॰)-भिन्न आयातों में 1993-94 के पहले नौ महीनों के दौरान 2.2 प्रतिशत की आंशिक वृद्धि दिखाई दी है। देश के व्यापार घाटे में भी तेजी से गिरावट आई है। 1992-93 के पहले नौ महीनों में 3.6 बिलियन डालर की तुलना में, पहले नौ महीनों में यह केवल 732 मिलियन डालर थी। व्यापार और चालू खाते में सुधार के परिणामस्वरूप विदेशी ऋण की वृद्धि में भी तेजी से गिरावट आई है।

(ग) 1990-91 में भारत के विदेशी ऋण में 8.1 बिलियन डालर की वृद्धि हुई। यह 1991-92 में गिरकर 1.4 बिलियन डालर और 1992-93 में 4.8 बिलियन हो गया तथा 1993-94 के पहली छमाही में यह केवल